



पुर्णमा International School

Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Grade - VIII

Sanskrit

Specimen

Copy

Year- 2021-22

अनुक्रमणिका

| | | |
|-------------|-----------------------|---|
| तृतीयःपाठः | डिजीभारतम | 2 |
| चतुर्थःपाठः | सदैवपुरतो निधेहि चरणम | 6 |



तृतीयःपाठः डिजीभारतम्

➤ कठिन शब्दार्थः

- टंकणयन्त्रस्य - टाइप कीमशीन
- कर्गदोपरि - कागज़ के ऊपर
- संगणकन्त्रेण - कम्प्यूटर से
- उपचारार्थम् - इलाज के द्वारा
- प्रदातुम् - देने के लिए

➤ शब्दार्थः

- | | | | |
|---------------|-------------|---------|---------|
| • आदान-प्रदान | - लेना-देना | • आपण | - बाजार |
| • लेखन्याः | - कलम का | • अधुना | - अब |
| • न्यूनता | - कमी | • वा | - अथवा |
| • पुनरपि | - फिरभी | • दिशि | - दिशा |

अभ्यासः

➤ साहित्य

प-1 अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत-

(क) कुत्र "डिजिटलइण्डिया" इत्यस्य चर्चा भवति?

उत्तर-सम्पूर्णविश्वे

(ख) केन सह मानवस्य आवश्यकता परिवर्तते?

उत्तर-कालपरिवर्तनेन

(ग) आपणे वस्तूनां क्रयसमये केषाम् अनिवार्यतान भविष्यति?

उत्तर-रूप्यकाणाम्

(घ) कस्मिन् उद्योगे वृक्षाः उपयुज्यन्ते?

उत्तर-कर्गदोद्योगे

(ङ) अद्य सर्वाणि कार्याणिकेन साधितानि भवन्ति?

उत्तर-चलदूरभाषयन्त्रेण

प्र-2- अधोलिखिता पश्चा प्रर्णवाक्येन उत्तरत-

(क) प्राचीनकाले विद्या कथं गृह्यते स्म?

उत्तर-प्राचीनकाले विद्या श्रुति परम्परया गृह्यते स्म।

(ख) वृक्षाणां कर्तनं कथं न्यूनतां यास्यति?

उत्तर-संगणकस्य अधिकाधिक प्रयोगेण वृक्षाणां कर्तनं न्यूनतां यास्यति।

(ग) चिकित्सालये कस्य आवश्यकता अद्यनानुभूयते?

उत्तर-चिकित्सालये रूप्यकाणाम् आवश्यकता अद्यनानुभूयते।

(घ) वयं कस्यां दिशि अग्नेसरामः?

उत्तर-वयं डिजीभारतम् इत्यस्यां दिशि अग्नेसरामः।

(ङ) वस्त्रपुटके केषाम् आवश्यकतान् भविष्यति?

उत्तर-वस्त्रपुटके रूप्यकाणाम् आवश्यकता न भवति।

प्र-3 रेखांकित पदान्यधिकृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत-

(क) भोजपत्रोपरि लेखनम् आरब्धम्।

उत्तर-भोजपत्रोपरि किम् आरब्धम्?

(ख) लेखनार्थम् कर्गदस्य आवश्यकतायाः अनुभूतिः न भविष्यति।

उत्तर-लेखनार्थं कस्य आवश्यकतायाः अनुभूतिः न भविष्यति?

(ग) विश्रामगृहेषु कक्षं सुनिश्चितं भवेत्।

उत्तर-कुत्र कक्षं सुनिश्चितं भवेत्?

(घ) सर्वाणि पत्राणि चलदूरभाषयन्त्रे सुरक्षितानि भवन्ति

उत्तर-सर्वाणि पत्राणि कुत्र चलदूरभाषयन्त्रे सुरक्षितानि?

(ङ) वयम् उपचारार्थम् चिकित्सालयं गच्छामः?

उत्तर-वयं किमर्थं चिकित्साल यंगच्छामः?

➤ व्याकरण

प्र-4 उदाहरणमनुसृत्य विशेषण विशेष्यमेलनं कुरुत-

| क | ख |
|------------------|----------|
| (क) मौखिकं | ज्ञानम् |
| (ख) मनोगते | काले |
| (ग) टंकितानि | कार्याणि |
| (घ) महान् | उपकारः |
| (ङ) मुद्राविहीनः | विनिमयः |

प्र-5 अधोलिखितपदयोः सन्धिं कृत्वा लिखत-

| | | |
|------------|---|---------|
| 1- पदस्य | + | अस्य |
| 2- तालपत्र | + | उपरि |
| 3- च | + | अतिष्ठत |
| 4- कर्गद | + | उद्योगे |
| 5- क्रय | + | अर्थम् |
| 6- इति | + | अनयोः |
| 7- उपचार | + | अर्थम् |

उत्तर-1-पदस्यास्य, 2-तालपत्रोपरि, 3-चातिष्ठत, 4-कर्गदोद्योगे, 5-क्रयार्थम्, 6-इत्यनयोः, 7-उपचारार्थम्

प्र-6 उदाहरणमनुसृत्य अधोलिखितेन पदेन लघु वाक्य निर्माणं कुरुत-

- (क) आवश्यकता - अद्यतने काले चलदूरवाण्याः अवश्यकता सर्वे रपि अनुभूयते।
(ख) सामग्री - रन्धनार्थं सामग्री आपणतः आनेतव्या।
(ग) पर्यावरणसुरक्षा - पर्यावरण सुरक्षायै अस्माभिः जागरू कैः भाव्यम्।
(घ) विश्रामगृहम् - सम्प्रति विश्रामगृहेषु प्रायशः डेविट्- कार्डमाध्यमेन रूप्यकाणि प्रदीयन्ते।

प्र-7 उदाहरणानुसारम् कोष्ठकप्रदत्तेषु पदेषु चतुर्थी प्रयुज्य रिक्तस्थानपूर्तिं कुरुत-

यथा – भिक्षुकाय धनं ददातु। (भिक्षुक)

(क) छात्राय पुस्तकं देहि। (छात्र)

(ख) अहम् निर्धनाय वस्त्राणि ददामि। (निर्धन)

(ग) लताय पठनं रोचते। (लता)

(घ) रमेशः सुरेशाय अलम्। (सुरेश)

(ङ) अध्यापकाय नमः। (अध्यापक)



चतुर्थः पाठः सदैव पुरतो निधेहि चरणम्

➤ कठिन शब्दार्थः

- निजनिकेतनम् - अपनानिवास
- नगारोहणम् - पर्वतपर चढ़ना
- सुदुष्करम् - अत्यन्तकठिनतापूर्वक
- ध्येय-स्मरणम् - उद्देश्यकास्मणम्

➤ शब्दार्थः

- | | | | |
|----------|-------------|----------|-------------|
| • भीतिम् | - डर को | • प्रखरा | - तीक्ष्ण |
| • घोराः | - भयंकर | • पाषाणा | - पत्थर |
| • परितः | - चारों और | • ननु | - निश्चय से |
| • विषमा | - असामान्य | • पुरतः | - आगे |
| • खलु | - निश्चय से | | |

अभ्यासः

➤ साहित्य

प्र-2 अधोलिखितानां प्रश्नानाम् उत्तराणि एकपदेन लिखत-

(क) स्वकीयं साधनं किं भवति?

उत्तर- बलम्।

(ख) पथिके विषमाः प्रखराः?

उत्तर-पाषाणाः।

(ग) सततं किं करणीयम्?

उत्तर- ध्येयस्मरणम्।

(घ) एतस्यगीतस्य रचयिता कः?

उत्तर- श्रीधर भास्कर वर्णकरः।

(ड) सः कीदृशः कविः मन्यते?

उत्तर- राष्ट्रवादी।

प्र-3 मञ्जूषातः क्रियापदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

निधेहि विधेहि जहीहि देहि भज चल कुरु

यथा-त्वं पुरतः चरणं निधेहि।

(क) त्वं विद्यालयं चल।

(ख) राष्ट्रे अनुरक्तिं विधेहि।

(ग) मह्यं जलं देहि।

(घ) मूढ! जहीहि धनागम तृष्णाम्।

(ड) भज गोविन्दम्।

(च) सततं ध्येयस्मरणं कुरु।

प्र-4 (अ) उचितकथनानां समक्षम् 'आम्', अनुचितकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत-

यथा-पुरतःचरणंनिधेहि।

(क) निजनिकेत नं गिरिशिखरे अस्ति।

(ख) स्वकीयं बलं बाधकं भवति।

(ग) पथि हिंसाः पशवःन सन्ति।

(घ) गमनं सुकरम् अस्ति।

(ड) सदैव अग्रे एव चलनीयम्।

आम्

आम्

न

न

न

आम्

(आ) वाक्य रचनया अर्थभेदं स्पष्टीकुरुत-

1- परितः -गृहं परितःवाटिका

2- पुरतः -नीरस स्तरुवरो विलसति पुरतः

3- नगः -हिमालयो नाम नगाधिराजः।

- 4 - नागः -शेषनागा सीनो भगवान्विष्णुः
 5-आरोहणम् -पर्वता रोहणं नहि सुकरम्।
 6-अवरोहणम् -पर्वतात् अवरोहण काले जागरूक स्तिष्ठेत्।
 7-विषमाः -मार्गे प्रसृताः विषमाः पाषाणाः।
 8-समाः - अर्जुन! सुखदुःखे समे कृत्वा युद्धाय युध्यस्व।

प्र-5 समञ्जूषातः अव्ययपदानि चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-

| | | | | | | |
|----|-----|-----|-------|-------|-----|------|
| एव | खलु | तथा | परितः | पुरतः | सदा | विना |
|----|-----|-----|-------|-------|-----|------|

- (क) विद्यालयस्य पुरतः एकम् उद्यानम् अस्ति।
 (ख) सत्यम् एव जयते।
 (ग) किं भवान् स्नानं कृतवान् खलु?
 (घ) सः यथा चिन्तयति तथा आचरति।
 (ङ) ग्रामं परितः वृक्षाः सन्ति।
 (च) विद्यां विना जीवनं वृथा।
 (छ) सदा भगवन्तं भज।

➤ व्याकरण

प्र-6 विलोम पदानि योजयत-

- पुरतः पृष्ठतः।
 स्वकीयम् परकीयम्।
 भीतिः साहसः।
 अनुरक्तिः विरक्तिः।
 गमनम् आगमनम्।

प्र-7 (अ) लट्लकारपदेभ्यः लोट्-विधिलिङ्लकारपदानां निर्माणं कुरुत-

| लट्लकारे | लोट्लकारे | विधिलिङ्लकारे |
|----------|-----------|---------------|
| खेलसि | खेल | खेले |
| खादन्ति | खादन्तु | खादेयुः |
| पिबामि | पिबानि | पिबेयम् |
| हसतः | हसताम् | हसेताम् |

| | | |
|-------|------|------|
| नयामः | नयाम | नयेम |
|-------|------|------|

(आ) अधोलिखितानि पदानि निर्देशानुसारं परिवर्तयत-

| | | | | |
|-----|---|--------------------------|---|-----------|
| यथा | - | गिरिशिखर (सप्तमी-एकवचने) | - | गिरिशिखरे |
| | | पथिन् (सप्तमी-एकवचने) | - | पथि |
| | | राष्ट्र (चतुर्थी-एकवचने) | - | राष्ट्राय |
| | | पाषाण (सप्तमी-एकवचने) | - | पाषाणे |
| | | यान (द्वितीया-बहुवचने) | - | यानानि |
| | | शक्ति (प्रथमा-एकवचने) | - | शक्तिः |
| | | पशु (सप्तमी-बहुवचने) | - | पशुषू |

पु.ना.